B.Ed – 2nd Year **Nakul Sah**

Pedagogy of Biological Science **Assistant Professor**

Course- 7 (b)

Lecture - 34

Type of test questions
परीक्षण प्रश्नों के प्रकार

Rest of lecture 33

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Question)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के इस प्रकार में प्रारंभ में कोई एक विचार, समस्या या प्रश्न प्रस्तुत किया जाता है जिसे मूल (Stem) कहते है। फिर उसके 4 या 5 सभांवित उत्तर विकल्प के रूप में दिये जाते है जिनमें से केवल एक ही सही होता है। (जिसे कुंजी (Key) कहते है) बाकी गलत (Distractor) होते है। विद्यार्थियों को सही विकल्प का चुनाव कर लिखना होता है। ज्यादातर प्रतियोगी व प्रवेश परीक्षाओ में इसी प्रकार के प्रश्नों का प्रयोग किया जा रहा है।

उदाहरण

1. ओमीय चालक का प्रतिरोध निम्नलिखित में से किस पर निर्भर नहीं करता है ?

a. चालक की लम्बाई

b. चालक की माटेाई

c. चालक की तापमान

d. वायुमण्डलीय दाब

2. दिये गये परिपथ में बिन्दु A व B के बीच विभवान्तर कितना होगा ?

a. 0 बोल्ट

NAKUL KUMAR

b. 10 बोल्ट

c. 5 बोल्ट

d. उपरोक्त में से कोई नही

3. घेघा रोग निम्नलिखित में से किसकी कमी से होता है ?

a. लोहे की

b. कैल्शियम

c. आयोडीन

d. विटामिन

4. वायुमण्डल दाब पडने पर किसी द्रव का क्वथनांक

a. घटता है

b. बढ़ता है

c. अपरिवर्तित रहता है

d. अनिश्चित रहता है

बहुविकल्पीय प्रश्नों की रचना हेतु आवश्यक सावधानियाँ

1. विकर्षकों (Distractors) का सही चयन

बहुविकल्पीय प्रश्नों में विकर्षक सबसे महत्वपर्ण भूमिका निभाते है। जैसा इनके नाम से स्पष्ट है विकर्षक (Distractors) वो हैं जो विद्यार्थियों को भ्रमित या विकर्षित (Distract) करते है जिन्हे सही उत्तर नही पता और केवल अनुमान लगाने का प्रयास कर रहे हो। बहुविकल्पीय प्रश्नों की रचना से पूर्व विकर्षकों के सम्बन्ध में निम्नलिखित निर्णय लेने आवश्यक है –

1. कितने विकर्षको का प्रयोग किया जाए।
2. विकर्षकों को किस क्रम में किस स्थान पर रखा जाए।

NAKUL KUMAR

3. विकर्षकों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए जिससे प्रत्येक विकर्षक समान मात्रा में विद्यार्थियों को विकर्षित कर सके।

2. मूलपद (Stem) अर्थपर्ण हो व निश्चित समस्या को प्रस्तुत करे –

बहुविकल्पीय प्रश्नों की रचना करते समय मूल पद पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिये। भाषायी व तथ्यात्मक रूप से इसे सही होना चाहिये। जिससे छात्रों का उचित परीक्षण किया जा सके।

3. विकल्पो मे स्पष्टता होनी चाहिये

बहुविकल्पीय प्रश्नों मे जो विकल्प दिये जाते हैं वे स्पष्ट होने चाहिये। विकल्पों में से केवल कुंजी (Key) के अलावा अन्य विकल्प मूल का सही उत्तर नहीं होने चाहिये।

सत्य/असत्य प्रकार के प्रश्न

इस प्रकार के कथनों मे कोई कथन दिया जाता है। जिसके आधार पर विद्यार्थी उसकी सत्य/असत्य या सही/गलत या हॉ या नहीं में पहचान करते है। इस प्रश्नों की मुख्यतः विशेषता यह है कि उनके पास केवल दो विकल्प होते है जैसे सत्य/असत्य उनमें से एक का चयन करना होता है।

उदाहरण

1. जल एक यौगिक है सत्य/असत्य
2. आक्सीजन गैस जलने में सहायक होती है सत्य/असत्य
3. आलू जड़ है सत्य/असत्य
4 शुद्ध जल विद्युत का सुचालक नही है सत्य/असत्य

उपरोक्त प्रश्नों की रचना करते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिये

1. व्यापक सामान्य कथनों से बचना चाहिये –

उदाहरणः (i) सभी पदार्थ गर्म करने पर फैलते है। (सत्य/असत्य) यह एक सामान्य कथन है लेकिन पानी इसका अपवाद है। अतः एसे व्यापक सामान्य कथन नहीं दिये जाने चाहिये।

कुछ शब्द जैसे सामान्यतः आमतौर पर, अधिकतर आदि का प्रयोग कथन में नही किया जाना चाहिये।

NAKUL KUMAR

2. **परीक्षण पद द्वि नकारात्मक (Double Negative Stateme) कथन नहीं होना चाहिये**

– उदाहरण 1. कार्बन के सभी रूप विद्युत के (सुचालक) नही है सत्य/असत्य इसके स्कान यदि निम्नलिखित प्रश्न पछूा जाए तो ठीक रहेगा। कार्बन के सभी रूप विद्युत के (सुचालक)है।

3. **बहुत सारे विचारों को एक ही कळान में प्रस्तुत करने से बचे।**

उदाहरण के लिये कृमि कीड़ा (Worm) देख नहीं सकता क्योकि उसकी साधारण आंखे होती है। T/F

यह कथन गलत है क्योकि कीड़े की साधारण आंखे नही होती लेकिन विद्यार्थी इसके प्रश्न को गलत सिद्ध कर रहा है क्योंकि वह सोचता है कि कीड़ा देख सकता है।

4 सत्य व असत्य कथनों की संख्या लगभग बराबर होनी चाहिये।

5. कथन या तो पूर्ण सत्य होना चाहिये या पूर्ण असत्य।

NAKUL KUMAR

To be continued……